

1

8728

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : 2573 **I**

Unique Paper Code : 2132201101

Name of the Paper : Sanskrit Grammar,
DSC-1

Name of the Course : B.A. (P.) Sanskrit

Semester : I

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 90**

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (i) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

- (ii) Answer may be written in **Sanskrit, Hindi** or **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी, किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय

KALINDI COLLEGE LIBRARY

2573

(iii) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. Comment on any **three** from each of the following sections: 18×3=54

अधोलिखित में से प्रत्येक खण्ड से किन्हीं तीन पर सोदाहरण टिप्पणी कीजिए।

Section - A

खण्ड - अ

समास, लोप, तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्, प्रत्याहार, प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्।

Section - B

खण्ड - ब

श्रुक्च सन्धि, गुण सन्धि, दीर्घ सन्धि, अयादि सन्धि, वृद्धि सन्धि।

Section - C

खण्ड - स

स्वतंत्रः कर्ता, कर्मणि द्वितीया, ध्रुवमपाये ऽपादानम् कर्तृकरणयोस्तृतीया, आधारो ऽधिकरणम्।

2. Answer the following **three** questions :

6×3=18

अधोलिखित तीनों प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) Write the characters of any **six** of the following pratyaharas :

निम्नलिखित में से किन्हीं छः प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए :

एच्, जश्, अक्, इण्, भष्, हश्, चय्, जश्, वल् ।

(b) Write the place of pronunciation of any **six** of the following letters :

निम्नलिखित में से किन्हीं छः वर्णों के उच्चारण-स्थान लिखिए :

ग, श, ज, ह, ओ, ब्र, इ, द्, स्, उ ।

(c) Explain the reason of the application of the any **six** case-ending following underlined words.

निम्नलिखित में से किन्हीं छः रेखांकित पदों में विभक्ति का कारण बताइए ।

(क) हरिं भजति ।

(ख) पुनीतः गच्छति ।

(ग) पुत्रेण सह आगतः पिता ।

(घ) देवेभ्यो नमः ।

(ङ) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति ।

(च) बालकस्य लेखनी अस्ति ।

(छ) कटे आस्ते ।

(ज) आपणं गच्छामि ।

2573

3. Write a comment on any **one** of the following :
8×1=8

निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए :

लोप

OR

अथवा

पद

4. Join any **five** from the following words :
5

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में सन्धि कीजिए :

श्री+ईशः, सु+उक्ति, वाक्+ईशः, देव+इन्द्रः, महा+उत्सवः,
मधु+अरिः, ने+अनम् चेष्+ता।

5. Disjoin any **five** padas from the following words :
5

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच में सन्धि-विच्छेद कीजिए :

जगदीशः, हरेऽत्र, इत्यादि, जलौघ, रामो हसति, सूर्योदयः,
वनौषधिः, दैत्यारिः।

(a) [This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 2240

I

Unique Paper Code : 2132202301

Name of the Paper : Sanskrit Theatre

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answer should be written either in Sanskrit or Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परंतु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. नाट्यशास्त्र का महत्त्व और प्रासंगिकता को सिद्ध कीजिये । (18)

Prove the importance and relevance of Natyashastra.

अथवा

प्राचीन नाट्य के स्वरूप को स्पष्ट करें ।

Explain the nature of ancient drama.

2. नाट्यगृह के निर्माण में उपयोगी मुख्य तत्त्वों की व्याख्या कीजिए। (18)

Explain the main elements relevant in the construction of a theatre

अथवा

परिमाण की दृष्टि से नाट्यमण्डपों के विभाजन को दर्शायें।

Divide theaters according to their size.

3. नाटकीय कथावस्तु के स्वरूप को बताते हुए उसके भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए । (18)

Explain the nature of the dramatic story and describe its differences in detail.

अथवा

अभिनय को परिभाषित करते हुए सात्त्विक और आंगिक का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

While defining acting, describe in detail Sattvik and Angik.

4. रामायणकालीन रंगमंच का विस्तार से वर्णन कीजिये। (18)

Describe the theater of Ramayana period in detail.

अथवा

महाभारतकालीन रंगमंच का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

Present a detailed description of the theater of Mahabharata period.

P.T.O.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी कीजिये जिसमें से एक संस्कृत में हो : (6×3=18)

Comment on any three of the following, one of which should be in Sanskrit.

- पञ्चसन्धियाँ
(Panchsandhi)
- धीरप्रशान्त
(Dhirprshanta)
- करुण रस
(Karuna Rasa)
- नेपथ्य
(Nepathya)
- मत्तवारिणी
(Mattavarini)

(3)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 2324

I

Unique Paper Code : 2132202301

Name of the Paper : Sanskrit Theatre

Name of the Course : B. A. (Prog.) Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

- 2.. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. नाट्यशास्त्र में वर्णित नाट्यमण्डपों के बारे में बताइए । (18)

Tell about the theater halls described in Natyashastra.

अथवा / OR

वैदिककालीन नाट्य के स्वरूप को स्पष्ट करें ।

Explain the nature of Vedic period drama.

2. नाट्यगृह के निर्माण में मुख्य तत्त्वों की विवेचना कीजिए। (18)

Discuss the main elements in the construction of a theatre.

अथवा / OR

परिमाण की दृष्टि से नाट्यमण्डपों को विभक्त कर विस्तृत वर्णन कीजिये।

Divide the theater halls in terms of size and describe them in detail.

3. अभिनय को परिभाषित करते हुए सात्विक और आहार्य की विस्तृत व्याख्या कीजिए। (18)

While defining Abhinaya, give a detailed explanation of Satvik and Aaharya.

अथवा / OR

नाटकीय कथावस्तु के विस्तृत स्वरूप को बताते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए ।

Explaining the broad nature of the dramatic story, describe its differences.

4. भित्ति कर्म एवं चित्र कर्म को व्याख्यायित कीजिये । (18)

Explain mural work and painting work.

अथवा / OR

महाभारतकालीन रंगमंच की विशेषताओं को समझाइए ।

Explain the characteristics of theater during Mahabharata period.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी कीजिये जिसमें से एक संस्कृत में हो : (6 x 3=18)

Comment on any three of the following, one of which should be in Sanskrit:

- पञ्चसन्धियाँ (Pancasandhiyan)
- धीरोदात्त (Dhirodatta)
- शृङ्गार रस (Shringaara Rasa)
- नेपथ्य (Nepathya)
- प्रेक्षागृह (Prekshagriha)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2300

I

Unique Paper Code : 2132203501

Name of the Paper : Indian Epigraphy and
Palaeography

Name of the Course : BA (P) Sanskrit

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
1. भारतीय इतिहास के पुनर्निर्माण में अभिलेखों का क्या महत्व है, प्रतिपादित कीजिए। (18)

Describe the importance of inscriptions in the Reconstruction of Indian History.

अथवा / OR

अभिलेखों के अध्ययन का क्या महत्व है?

What is the importance of the study of inscriptions?

2. भारत में लेखन कला की प्राचीनता पर प्रकाश डालिए। (18)

Write an essay on antiquity of Writing in India?

अथवा / OR

ब्राह्मी लिपि के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the origin and development of Brahmi Script.

3. चन्द्र के महरौली लौह-स्तम्भ अभिलेख का महत्व बताइये। (18)

Discuss the importance of the Mehrauli Iron Pillar inscription of Chandra.

अथवा / OR

अशोक के अभिलेखों के आधार पर नैतिकता प्रकाश डालिए।

Throw light on the Morality on the basis of Ashokan Inscriptions.

4. प्राचीन अभिलेखों में कालनिर्धारण से संबंधित विभिन्न पद्धतियों का उल्लेख कीजिए। (18)

Discuss the different systems of Chronology Found in ancient inscriptions.

अथवा / OR

अभिलेखों में प्रयुक्त होने वाले तिथि अंकन पद्धति की व्याख्या कीजिए।

Examine the system of dating found in Inscriptions.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी कीजिए :

(6×3=18)

Write short notes on any three of following :

(i) डी. आर. भण्डारकर

D.R. Bhandarkar

(ii) विक्रम संवत्

Vikram Samvat

(iii) जेम्स प्रिन्सेप

James Prinsep

(iv) लिपि

Lipi

(v) भोज-पत्र

Bhojpatra

10

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2583

I

Unique Paper Code : 2022201102

Name of the Paper : Introduction to Buddhist Literature

Name of the Course : B.A. (Prog) Buddhist Studies

Semester : I, DSC- 2(A or B)

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer four questions in total. Question No. 1 is compulsory.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें । प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है ।
3. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में लिखें, किन्तु उत्तर पुस्तिका में आद्योपान्त किसी एक माध्यम का ही प्रयोग होना चाहिए ।

1. Write a short note on any **TWO** of the followings –

(a) Mahāvastu

(b) Suttanipāta

(c) Mahāparinibbānasutta

(d) Buddha.

(15×2=30)

निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-

- (अ) महावस्तु
- (ब) सुत्तनिपात
- (स) महापरिनिब्बानसुत्त
- (द) बुद्ध

2. Write an essayistic comment on Vaipulya Sutas. (20)

वैपुल्यसूत्रों पर निबन्धात्मक टिप्पणी लिखें ।

3. Briefly discuss any two Buddhist Councils. (20)

किन्हीं दो बौद्धसङ्गीतियों की संक्षिप्त विवेचना करें ।

4. What are the main characteristics of Pāli Literature? Write in detail. (20)

पालिसाहित्य की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं? विस्तारपूर्वक लिखें ।

5. Give a critical account of Buddhist-Sanskrit literature. (20)

बौद्धसंस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक विवरण दें ।

6. Briefly mention the subject matter of Nidāna-Kathā.

(20)

निदानकथा की विषयवस्तु का संक्षिप्त उल्लेख करें।

6

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 2398

I

Unique Paper Code : 2132202302

Name of the Paper : Gita and Upanisad, DSC-A3 & B3 (A or B)

Name of the Course : B.A. (P.) Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. Answers may be written in Sanskrit, Hindi or English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।
3. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत हिन्दी अथवा अंग्रेजी, किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार 'भक्ति योग' से क्या तात्पर्य है ?

(12)

According to the Bhagavad Gita, what is meant by 'Bhakti Yoga'?

अथवा / OR

ईशावास्योपनिषद् के आधार पर 'आत्मतत्त्व' का निरूपण कीजिए ।

Explain the concept of 'Atma Tattva' based on the Isha Upanishad.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या करें। (7+7=14)

Explain any two of the following:

(क) अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे ।

गतासूनगतासूँश्च नानुशोचन्ति पण्डिताः ॥

(ख) न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः ।

अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे ।

(ग) हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम् ।

तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः ॥

(घ) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

3. श्रीकृष्ण के अनुसार 'स्थितप्रज्ञ' के लक्षणों को स्पष्ट करें । (12)

According to Shri Krishna, explain the characteristics of a 'Sthitaprajna'.

अथवा / OR

उपनिषदों में वर्णित 'ब्रह्मन्' की अवधारणा को समझाएं ।

Explain the concept of 'Brahman' as described in the Upanishads.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या करें। (7+7=14)

Explain any two of the following:

(क) ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत् ।

तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद्धनम् ॥

(ख) यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्येवानुपश्यति ।

सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्सते ॥

(ग) विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह ।

अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते ॥

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय

KALINDI COLLEGE LIBRARY

(घ) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।

तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय णष्टये ॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें ।

(8+8=16)

Write short notes on any two of the following:

ज्ञानयोग, कर्मयोग, ईशावास्योपनिषद्, ईश्वर

jñānayoga, karmayoga, Īśāvāsyopaniṣad, Īśvara

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें (9+9=18)

A Write short notes on any two of the following:

सृष्टि, आत्मन्, कर्मन्, विद्या-अविद्या ।

sr̥ṣṭi, ātman, karman, vidyā-avidyā

7. प्रश्न संख्या 2 एवं 4 में से स्थूल एवं रेखांकित किन्हीं चार पदों का व्याकरणात्मक परिचय दें। (1x4=4)

Provide the grammatical introduction of any **four** bold and underlined words from question numbers 2 and 4.

(300)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2499

I

Unique Paper Code : 2133100011

Name of the Paper : Phonetics in Sanskrit Tradition

Name of the Course : B.A. (P) Sanskrit – DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

1. निम्नलिखित में से किन्हीं 3 श्लोकों का अनुवाद कीजिए : (6×3=18)

Translate any three of the following verses :

- (i) अचोऽस्पृष्टाः यणस्त्वीषन्नेमस्पृष्टाः शलः स्मृताः ।
शेषाः स्पृष्टाः हलः प्रोक्ता निबोधानुप्रदानतः ॥
- (ii) अनुस्वासरयमानाञ्च, नासिकास्थानमुच्यते ।
अयोगवाहा विज्ञेया, आश्रयस्थानभागिनः ॥
- (iii) अनुस्वारे विवृत्यां तु विरामे चाक्षरद्वये ।
द्विरोष्ठ्यौ तु विगृहीयादत्रौकारवकारयोः ॥
- (iv) अथ शिक्षां प्रवक्ष्यामि, पाणिनीयं मतं यथा ।
शास्त्रानुपूर्वं तद् विद्याद्, यथोक्तं लोकवेदयोः ॥
- (v) जमोऽनुनासिका नहौ नादिनो हङ्गः स्मृताः ।
ईषन्नादा यणो जश्च, श्वासिनस्तु खफादयः ॥
- (vi) हृदये चौकमात्रस्त्वर्द्धमात्रस्तु मूर्द्धानि ।
नासिकायां तथार्द्धं च, रङ्गस्यैवं द्विमात्रता ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(9×2=18)

Explain with reference to context any two of the following verses :

(i) आत्मा बुद्ध्या समेत्यार्थान् मनो युद्धक्ते विवक्षया ।
मनः कायाग्रिमाहन्ति, स प्रेरयति मारुतम् ॥

(ii) अष्टौ स्थानानि वर्णानामुरः कण्ठः शिरस्तथा ।
जिह्वामूलश्च दन्ताश्च नासिकोष्ठी च तालु च ॥

(iii) सोदीर्णो मूर्त्यभिहतो वक्त्रमापद्य मारुतः ।
वर्णाञ्जनयते तेषां विभागः पञ्चधा स्मृतः ॥

(iv) उदत्तश्चानुदात्तिश्च, स्वरितश्च स्वरास्त्रयः ।
ह्रस्वो दीर्घः प्लुत इति कालतो नियमा अचि ॥

3. निम्नलिखित में से किसी 1 श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
(9×1=9)

Explain any one of the following verses in Sanskrit :

(i) स्वरा विंशतिरेकश्च स्पर्शानां पञ्चविंशतिः ।
यादयश्च स्मृता ह्यष्टौ चत्वारश्च यमाः स्मृताः ॥

(ii) स्वरतः कालतः स्थानात् प्रयत्नानुप्रदानतः ।
इति वर्णविदः प्राहुर्निपुणं तं निबोधत ॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (18×2=36)

Answer any two of the following questions :

- (i) शिक्षा वेदांग का परिचय देते हुए पाणिनीय-शिक्षा के प्रतिपाद्य विषय की व्याख्या कीजिए?

Give general introduction of Shiksha Vedanga and explain the subject matter of Paniniya Shiksha?

- (ii) ध्वनिविज्ञान की परिभाषा देते हुए उसके उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए?

Define phonetics and describe its origin and development?

- (iii) प्रातिशाख्यों के वर्णविषय का विवेचन कीजिए?

Describe the subject matter of praitikshakhyas?

- (iv) संस्कृत वर्णों के विविध भेदों का परिचय दीजिए?

Give detailed explanation on different types of Sanskrit alphabets?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5×2=9)

Write short notes on any two of the following :

- (i) जिह्वामूलीय
- (ii) यम
- (iii) स्वर
- (iv) उदात्त

(700)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 7542

I

Unique Paper Code : 62137901

Name of the Paper : Mathematical Tradition in
Sanskrit, DSE - 1

Name of the Course : B. A. (P) Sanskrit

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any five questions.
3. All questions carry equal marks. (15×5=75)
4. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. याजुषज्योतिष भारतीय गणितीय परम्परा को किस प्रकार अपना योगदान देता है? स्पष्ट करें।

How does Yajusha Jyotish contribute to the Indian mathematical tradition? Clarify.

2. गणितं मुर्ध्नि स्थितम् का विवेचन कीजिए।

Discuss Ganitam Murdhni Sthitam.

3. उत्तरवैदिक काल में प्रयुक्त गणितीय साधनों एवं विधियों का विस्तृत वर्णन करें।

Describe in detail the mathematical tools and methods used in the later Vedic period.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए:

Define any two of the following:

- | | |
|------------------------|----------------------|
| (i) कलन | Calculus |
| (ii) संख्या | Numbers |
| (iii) वर्ग एवं वर्गमूल | Square & Square Root |
| (iv) दशमलव | Decimal |

5. लीलावती में वर्णित गणितीय संख्या पद्धति की विवेचना कीजिए।

Discuss the mathematical number system described in Lilavati.

6. त्रैासिक नियम के महत्त्व की विवेचना कीजिए।

Discuss the importance of Trirasik rule.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any two of the following:

(i) आर्यभट्ट - I Aryabhatta-1

(ii) ब्रह्मगुप्त Brahmgupta

(iii) श्रीपति Shripati

(iv) वराहमिहिर Varahamihir

Sl. No : 1676
Unique Paper Code : 2132102301
Name of the Paper : Classical Sanskrit literature (Drama)
Name of the Course : B.A (H) Sanskrit
Semester : III
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 90

टिप्पणी: निम्न प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
All questions are compulsory.

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

3×6=18

Translate the following:

(क) अन्तर्हित शशिनि सैव कुमुद्वती मे दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीयशोभा ।

इष्टप्रवासजनिता न्यवलाजनस्य दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि ॥

Or / अथवा

रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः सरोभिश्छायाद्रुमैर्नियमितार्कमयूखतापः।

भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः, शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः॥

(ख) सविश्रमो ह्ययं भारः प्रसक्तस्य तु श्रमः ।

तस्मिन् सर्वमधीनं हि यन्नाधीनो नराधिपः॥

Or / अथवा

भरतानां कुले जातो विनीतो जानवाञ्छुचिः।

तन्नाहमि बलाद्धर्तुं राजधर्मं स्वयं देशिकः॥

(ग) इष्टात्मजः सपदि सान्वयः एव देवः,

शार्दूलपोतमिव यं परिपोष्य नष्टः।

तस्यैव बुद्धिविशिखेन भिनद्धि

मर्म वर्मीमवेद्यदि न दैवमदृश्यरूपम्॥

Or / अथवा

आस्वादितद्विरदशोणितशोणशोभां,

सन्ध्यारुणामिवकलां शशलाञ्छनस्या।

जृम्भाविदारितमुखस्य मुखात्स्फुरन्ती,

को हेतुमिच्छति हरेः परिभूयदंष्ट्राम्॥

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए

Explain the following with reference to context

3×8=24

(क) नैवेदानीं तादृशाश्चक्रवाका

नैवाप्यन्ये स्त्रीविशेषैर्वियुक्ताः।

धन्या सा स्त्री यां तथा वेत्ति भर्ता

भर्तृस्नेहात् सा हि दग्धाप्यादग्धा॥

Or / अथवा

सम्बन्धिराज्यमिदमेत्य महान् प्रहर्षः

स्मृत्वा पुनर्नृपसुतानिधनं विपादः।

किं न देव! भवतां न कृतं यदि स्याद्

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

12/12/024 (m)

राज्यं परैरपहृतं कुशलं च देव्याः॥

(ख) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्वकाया
निष्कम्पचामरशिखा निभृतोर्ध्वकर्णाः।
आत्मोद्धतैरपिरजोभिरलङ्घनीया
धावन्यमी मृगजवाक्षमयेव रथ्याः॥

Or / अथवा

पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मात्स्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनाऽपि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुजायताम्॥

(ग) यो नन्दमौर्यनृपयोः परिभूय लोकम्,
अस्तोदयौ प्रतिदिशन्नविभिन्नकालम्।
पर्यायपातितहिमोष्णमसर्वगामि,
धाम्नातिशाययति धामसहस्रधाम्नः॥

Or / अथवा

नन्दकुलकालभुजगीं कोपानलवहुलनीलधूमलताम्।
अद्यापि वध्यमानां वध्यः को नेच्छति शिखां मे॥
3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए:
Explain any one of the following in Sanskrit:

8

(क) स्वयमाहृत्य भुजवलिनाऽपि स्वभावतः ।
गजेन्द्राश्च नरेन्द्रपाल प्रायःसीदन्ति दुःखिताः॥
(ख) कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।
प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते॥
(ग) तत् साधुकृतसन्धानं प्रतिसंहर सायकम्।
आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

3×5=15

Write short notes on any three of the following:

नट, नान्दी, कञ्चुकी, प्रस्तावना ।

5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का महत्त्व बताइए।

13

Bring out the importance of the fourth act of "Abhigyanashakuntalam"

Or / अथवा

मुद्राराक्षस के आलोक में विशाखादत्त की नाट्य-शैली की विशेषताएं बताइए।
Explain the Vishakhadutt's dramatic style in the light of Mudrarakshasa.

6. संस्कृत नाटकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

12

Discuss the nature of Sanskrit Drama.

Or / अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any two of the following:

भवभूति, कालिदास, श्रीहर्ष, भास ।

10
[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 1730

I

Unique Paper Code : 2132102302

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics, DSC-8

Name of the Course : B. A. (H) Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
4. Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

(15)

Explain the nature of the Linguistics.

अथवा / OR

भाषाविज्ञान के प्रमुख अङ्गों का विवेचन कीजिए ।

Discuss the main components of Linguistics.

2. भाषाविज्ञान की उपादेयता का विवेचन कीजिए ।

(15)

Describe the utility of Linguistics.

अथवा / OR

संस्कृत की दृष्टि से अर्थविज्ञान का वर्णन कीजिए ।

Describe semantics from Sanskrit point of view.

3. भारतीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए ।

(15)

Introduce the Indian language family.

अथवा / OR

भारोपीय भाषापरिवार की शाखाओं का परिचय दीजिए ।

Describe the branches of Indo-European family of language.

4. तुलनात्मक भाषाविज्ञान के विकास में संस्कृत के योगदान की विवेचना कीजिए । (15)

Describe the contribution of Sanskrit in the development of Comparative Linguistics.

अथवा / OR

आधुनिक भाषाविज्ञान में संस्कृत के महत्त्व पर एक निबंध लिखिए।

Write an essay on the importance of Sanskrit in the modern linguistics.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिपणी लिखिए, जिसमें से एक संस्कृत में हो । (7.5 x 4 = 30)

Write notes on any **four** of the following, one of which should be in Sanskrit.

(क) वाक्यों के प्रकार

(Types of sentences)

(ख) ध्वनि - परिवर्तन के कारण

(Causes of phonetic changes)

(ग) रूप-परिवर्तन के कारण

(Causes of morphological changes)

(घ) पद - विज्ञान

(Morphology)

(ङ) संस्कृत ध्वनियों के उच्चारणस्थान

(Places of articulation of Sanskrit sounds)

(च) भाषा उत्पत्ति का दैवी सिद्धान्त

(Divine theory of the origination of Language).

18/12/024 CM

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1785

I

Unique Paper Code : 2132102303

Name of the Paper : Indian Epigraphy – I

Name of the Course : B.A. (H.) Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions carry equal marks.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
4. Answer any 7 questions out of the following. Question No. 9 is compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

4. पुरालेख विज्ञान के क्षेत्र में भारतविदों के योगदान को समझाए।

(12)

Explain the contribution of Indian scientists in the field of epigraphy.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए: (6 + 6 = 12)

Write a note on any two of following :-

(क) कर्निघम	Cunningham
(ख) फ्लीट	Fleet
(ग) राजबली पाण्डे	Rajbali Pandey
(घ) गौरीशंकर हीराचंद	G H Ojha

6. पुरालेख विज्ञान से सम्बन्धित लेखन सामग्री का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए। (12)

Describe in detail the writing material related to paleography.

7. अभिलेखों की काल निर्धारण प्रणाली का वर्णन कीजिए। (12)

Describe the chronology system of inscriptions.

P.T.O.

8. अभिलेखों में प्रयुक्त तिथ्यंकन पद्धति पर प्रकाश डालिए। (12)

Describe the system of dating system in inscriptions.

9. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए - (6×3=18)

Write a note on any three of following :-

(क) सम्वत्सर	Samvatsar
(ख) सप्तर्षि	Saptarishi
(ग) विक्रम सम्वत्	Vikram Samvat
(घ) गुप्त सम्वत्	Gupta Samvat
(ङ) मौर्य सम्वत्	Maurya Samvat
(च) लिपिकार	Lipikar

(17)
[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1706

I

Unique Paper Code : 2132103501

Name of the Paper : VEDA AND UPANISHAD
(DSCC-13)

Name of the Course : BA (H), Sanskrit

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन मन्त्रों का अनुवाद कीजिए :

(6×3=18)

Translate any three of the following mantras :

- (i) मदेमद्रे हि नोद दिर्युथा गवामृजुक्रतुः ।

सं गृभाय पुरु शतोभयाहस्त्या वसुं शिशीहि राय आ भर ॥

- (ii) अग्निमीळे पुरोहितं, यज्ञस्यं देवमृत्विजम् ।

होतारं रत्नधातमम् ॥

- (iii) आ पौ पार्थिवं रजो बद्धये रोचना दिवि ।

न त्वावाँ इन्द्र कश्चन न जातो न जनिष्यतेऽति विश्वं ववक्षिथ ॥

- (iv) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः स्वयं धीराः पण्डितमन्यमानाः ।

दन्द्रम्यमाणाः परियन्ति मूढा अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः

2. निम्नलिखित में से दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (9×2=18)

Explain any two of the following mantras :

- (i) स नः पितेव सूनवे, अग्नें सूपायनो भव ।

सचस्वा नः स्वस्तये ॥

(ii) असि हि वीर सेन्योऽसि भूरि परादिः ।

असि दध्नस्य चिद्वृधो यजमानाय शिक्षसि सुन्वते भूरि ते वसु ॥

(iii) श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेतः तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः ।

श्रेयो हि धीरोऽभि प्रेयसो वृणीते प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद् वृणीते ॥

3. निम्नलिखित में से एक मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (9)

Explain any one Mantra in Sanskrit :

सर्वे वेदा यत्पदमामनन्ति तपांसि सर्वाणि च यद्वदन्ति ।

यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत्ते पदसंग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत् ॥

अथवा / OR

अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे । यशसं वीरवत्तमम् ॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का विवेचन कीजिए : (18×2=36)

Explain any two of the following :

(i) ऋग्वेद के वर्ण्य - विषय

(Subject matter of Rigveda)

(ii) उपनिषदों का महत्त्व

(Importance of Upanishad)

(iii) ब्राह्मण ग्रंथों का परिचय

(Introduction of Brahmana)

(iv) अग्नि का वैदिक स्वरूप

(Vedic features of Agni.)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(4.5×2=9)

Write short notes on any two of the following :

(i) कठोपनिषद् के अनुसार श्रेयस् मार्ग

(ii) आरण्यक

(iii) आत्मतत्त्व

13
[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 1756

I

Unique Paper Code : 2132103502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar
Laghusiddhantakaumudi,
DSCC-14

Name of the Course : B. A. (H) Sanskrit

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers all questions
3. Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित किन्हीं पांच वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए:

Write the स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any five words of the following :

उ, क्, इ, च्, य्, ओ, प्, स् (5×1=5)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए: (5×1=5)

Write the Letters of any five of the प्रत्याहार.

अच्, इक्, जश्, शल्, एङ्, झष्, शर्, खय्

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों में सूत्रनिर्देश पूर्वक संधि कीजिए - (5×2=10)

Join Sandhis in **any five** of the following quoting relevant sutras:

एक + एकः, एतद् + मुरारिः, सुधी + उपास्यः, वाक् + ईशः, मनः + रथः, सत् + जनः, विष्णो + अत्र, रामः + तिष्ठति

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों का संधि-विच्छेद कीजिए -

(5×1=5)

Disjoin Sandhis in **any five** of the following words:

उपेन्द्रः, धर्मार्थौ, हरये, तट्टीका, रामो हसति, कश्चित् तन्मात्रम्, मध्वरिः

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों का विग्रह-उल्लेखपूर्वक समास परिचय दीजिए

(5×2=10)

Split and mention the name of Samasa in **any five** of the following words.

अनुरूपम्, अधिहरि, पञ्चगङ्गम्, शङ्कुलाखण्डः, भूतबलिः, चोरभयम्, पीताम्बरः, शिवकेशवौ

6. निम्न में से किन्हीं पांच पदों का समास कीजिए । (5×1= 5)

Make a compound in **any five** of the following words.

P.T.O.

कृष्णस्य समीपम्, विष्णोः पश्चात्, ग्रामं गतः, राज्ञः पुरुषः, न अश्वः,
हरिश्च हरश्च, नीलम् उत्पलम्, धान्येन अर्थः

7. प्रत्येक अन्विति में से दो सूत्रों को चुनते हुए कुल छः सूत्रों की व्याख्या
कीजिए (6 x 5 = 30)

Choosing two sutras from each Unit, explain and
illustrate total six sutras of the following.

अन्विति - 1

हलन्त्यम्, आदिरन्त्येन सहेता, उरण् रपरः, आद् गुणः

अन्विति - 2

स्तोः श्चुना श्चुः, विसर्जनीयस्य सः, भूवादयो धातवः, हशि च

अन्विति - 3

समर्थः पदविधिः, उपसर्जनं पूर्वम्, षष्ठी, अनेकमन्यपदार्थे

8. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी कीजिए: (5x4=20)

Comment on any four of the following:

संयोग, पद, अनुनासिक, अयादि-संधि, उपसर्ग, उत्त्व- सन्धि, अव्ययीभाव
द्वन्द्व ।

20/12/24 (M)

14
This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S.No. of Question Paper : 1811

Unique Paper Code : 2132103503

A

Name of the Paper : Introduction to Nyaya Vaisheshika Philosophy

Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written in Sanskrit, Hindi or English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी, किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. Answer any three questions of the following :

3×18=54

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) While discussing the origin and development of Nyaya-Vaisheshika Philosophy, mention to work of Vachaspati Mishra.

न्याय-वैशेषिक दर्शन के उद्भव और विकास का विवेचन करते हुए वाचस्पति मिश्र के कृतित्व का उल्लेख कीजिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) Discuss the metaphysics of Nyaya philosophy in the form of pluralist philosophy.

बहुतत्त्ववादी दर्शन के रूप में न्यायदर्शन की तत्त्वमीमांसा का विवेचन कीजिए।

(iii) Define Dravya and describe its types in brief.

द्रव्य की परिभाषा देते हुए द्रव्य के प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(iv) Discuss the Inference Testimony on the basis of the statement 'अनुमितिकरणमनुमानम्'.

"अनुमितिकरणमनुमानम्" कथन के आधार पर अनुमान-प्रमाण का विवेचन कीजिए।

(v) Explain with example the differences of Hetvābhāsa according to the Tarkasamgraha.

तर्कसंग्रह के अनुसार हेत्वाभास के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. Write short notes on any *three* of the following :

3×6=18

(a) Vatsyayana

(b) Vastuvada

(c) Samavaya

(d) Ayathartha Anubhava

(e) Shabda Pramana

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(क) वात्स्यायन

(ख) वस्तुवाद

(ग) समवाय

(घ) अयथार्थ अनुभव

(ङ) शब्द-प्रमाण

3. Write a comment on any *one* of the following in Sanskrit.

1×8=8

- (a) Akshapada Gautam
- (b) Maharshi Kanada
- (c) Vachaspati Mishra

निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए।

- (क) अक्षपाद गौतम
- (ख) महर्षि कणाद
- (ग) वाचस्पति मिश्र

4. Give short answers (*one* or two lines) to any *five* of the following questions : 5×2=10

- (a) Sparsh
- (b) Bhamati
- (c) Samavayikarana
- (d) Dharmi
- (e) Samanya
- (f) Kevlanvayi
- (g) Sapaksha-Vipaksha
- (h) Padarthadharmanasangraha

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति में) दीजिए :

(क) स्पर्श

(ख) भामती

(ग) समवायिकारण

(घ) धर्मी

(ङ) सामान्य

(च) केवलान्वयि

(छ) सपक्ष-विपक्ष

(ज) पदार्थधर्मसंग्रह

15

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2046

I

Unique Paper Code : 2133100010

Name of the Paper : Introduction to Sanskrit
Poetics, DSE

Name of the Course : B.A (H) Sanskrit, DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

1. आचार्य भामह के अनुसार काव्य-प्रयोजनों की समीक्षा कीजिए। (18)

Critically examine the objectives of poetry according to Acharya Bhamah.

अथवा / Or

आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य-कारण की समीक्षा कीजिए।

Describe the poetic cause according to Acharya Mammat.

2. “तस्य च कारणं कविगता केवला प्रतिभा” इस कथन की विवेचना कीजिए। (18)

“तस्य च कारणं कविगता केवला प्रतिभा” Describe this statement.

अथवा / Or

“वाक्य रसात्मकं काव्यम्” इस कथन की विवेचना कीजिए।

“वाक्य रसात्मकं काव्यम्” Describe this statement.

3. “शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनी । (18)

बंधे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणी ॥” इस कारिका का विवेचन कीजिए।

Explain this Karika. “शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनी ।
बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणी ॥”

अथवा / Or

“शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्” इस कथन की विवेचना कीजिए ।

“शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्” Describe this statement.

4. चन्द्रालोक के अनुसार निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अलंकारों के
सोदाहरण लक्षण दीजिए। (3×6=18)

Define and illustrate any three of the following figures
of speech: according to Chandralok. (Chhekanuprasa)

- | | |
|-------------------|-----------------|
| (i) छेकानुप्रास | (Chhekanuprasa) |
| (ii) उपमा | (Upama) |
| (iii) उत्प्रेक्षा | (Utpreksha) |
| (iv) श्लेष | (Shlesh) |
| (v) भ्रान्ति | (Bhranti) |

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिपणी लिखिए :

(3×6=18)

Write short notes on any three of the following :

- | | |
|-----------------------|------------------------|
| (i) भामह | (Bhamah) |
| (ii) जयदेव | (Jayadev) |
| (iii) कुंतक | (Kuntak) |
| (iv) पंडित राजजगन्नाथ | (Pandit Raj Jagannath) |
| (v) विश्वनाथ | (Vishvanath) |

31/12/18
V. N. N.

10

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6623

I

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit,
CBCS-LOCF

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए। (6×2=12)
Explain the following mantras.

क. राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिविम्।
वर्धमानं स्वे दमे॥

अथवा / OR

अक्षैर्मा दीव्यः कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व ब्रुहु मन्यमानः।
तत्र गावः कितव तत्र जाया तन्मे वि चष्टे सवितायमर्यः॥

ख. उषो वाजेन वाजिनि प्रचेताः स्तोमं जुषस्व गृणतो मघोनि।
पुराणी देवि युवतिः पुरन्धिरनु व्रतं चरसि विश्ववारे॥

अथवा / OR

हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत् ।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो मन्त्रों का अनुवाद कीजिए। (4×2=8)
Translate any two out of the following Mantras.

क. अग्निर्होता कुविक्रतुः सत्यश्चित्रश्रवस्तमः।
देवो देवेभिरा गमत्॥

- ख. अबु स्यूमेव चिन्वती मुघोन्युषा याति स्वसरस्य पत्नी।
स्वर्जनन्ती सुभगा सुदंसा आन्ताद्विवः पप्रथ आ पृथिव्याः॥
- ग. येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत् परिगृहीतममृतेन सर्वम्।
येन यज्ञस्तायते सप्तहोता तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु॥

3. शिवसङ्कल्प सूक्त का मनोवैज्ञानिक विवेचन प्रस्तुत करें। (10)

Present a psychological explanation of the Shivasankalpa Sukta.

अथवा / OR

भूमि सूक्त के अनुसार मातृभूमि के प्रति कर्तव्यों का वर्णन करें।

Describe the duties towards the mother land according to Bhoomi Sukta.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए। (3×2=6)

Write note on any two of the following.

- क. वैदिक स्वरित
ख. विधिमूलक लेट्
ग. वैदिक तुमुन्
घ. वैदिक सुवन्त

5. प्रश्न संख्या एक अथवा दो के किसी एक मंत्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। (6)

Render into Padapatha any one of the mantras from question no.1 or 2.

6. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए। (6×2=12)

Explain the following mantras.

- क. यथोर्णनाभिः सृजते गृह्णते च यथा पृथिव्यामोषधयः संभवन्ति।
यथा सतः पुरुषात्केशलोमानि तथाऽक्षरात्संभवतीह विश्वम्॥

अथवा / OR

काली कराली च मनोजवा च सुलोहिता या च सुधूम्रवर्णा।
स्फुलिङ्गिनी विश्वरुची च देवी लेलायमाना इति सप्त जिह्वाः॥

- ख. प्रणवो धनुः शरो ह्यात्मा ब्रह्म तल्लक्ष्यमुच्यते।
अप्रमत्तेन वेद्धव्यं शरवत्तन्मयो भवेत्॥

अथवा / OR

द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया समानं वृक्षं परिषस्वजाते।
तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्त्यनश्नन्नन्यो अभिचाकशीति॥

6623

4

7. मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परा और अपरा विद्या का वर्णन कीजिए। (10)
Explain Para Vidya and Apra Vidya according to Mundkopenishad.

अथवा / OR

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर ब्रह्म का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए।
Describe about Brahma according to Mundkopenishada.

8. निम्नलिखित मन्त्र का अनुवाद कीजिए। (4)
Translate the following Mantras.

एतस्माज्जायते प्राणो मनः सर्वेन्द्रियाणि च।
खं वायुर्ज्योतिरापः पृथिवी विश्वस्य धारिणी॥

अथवा / OR

एहोहीति तमाहुतयः सुवर्चसः
सूर्यस्य रश्मिभिर्यजमानं वहन्ति।
प्रियां वाचमभिवदन्त्योऽर्चयन्त्य
एष वः पुण्यः सुकृतो ब्रह्मलोकः॥

9. निम्नलिखित मंत्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए। (7)
Explain the following Mantra in Sanskrit.
तपसा चीयते ब्रह्म ततोऽन्नमभिजायते।
अन्नात्प्राणो मनः सत्यं लोकाः कर्मसु चामृतम्॥

अथवा / OR

सत्यमेव जयति नानृतं सत्येन पन्था विततो देवयानः।
येनाक्रमन्त्यृषयो ह्यासकामा यत्र तत्सत्यस्य परमं निधानम्॥

(700)

(17)
This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 6664

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Attempt all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

Section-A

भाग-क

1. Write the स्थान and आभ्यन्तरप्रयत्न of any four words of the following :

4×2=8

निम्नलिखित में से किन्हीं चार वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए :

उ, च, झ, ष, य, ओ, म्

P.T.O.

2. Explain with examples any *two* technical terms of the following : 2×3=6
 निम्नलिखित में से किन्हीं दो संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए :
 स्वरितः, पद, अदर्शन, अनुनासिक, संयोगः
3. Write the letters of any *four* of the प्रत्याहार. 4×1=4
 निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए :
 अच्, इक्, झष्, जश्, खर्, यर्, शर्, झय्
4. Disjoin Sandhis in any *five* of the following quoting relevant sutras : 5×2=10
 निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों का सूत्रनिर्देशपूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए :
 सुद्ध्युपास्यः, हरये, गङ्गोदकम्, हरिवन्दे, रामश्चिनोति, शिवोऽर्च्यः, भगोनमस्ते.
5. Explain and illustrate any *two* of the following : 2×4=8
 निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए :
 अकः सवर्णेदीर्घः, इकोयणचि, एचोऽयवायावः, स्तोः श्रुनाश्रुः, हशिच

Section-B

भाग-ख

6. Choosing *three* compounds from Unit 1 and *two* compounds from Unit 2, explain total *five* formations with relevant sutras with their names : 5×3=15
 अन्विति 1 से तीन तथा अन्विति 2 से दो पदों को चुनकर कुल पाँच पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए :

अन्विति 1

अधिहरि, अधिगोपम्, उपचर्म, कृष्णाश्रितः, यूपदारू, सप्तर्षयः

अन्विति 2

पीताम्बरः, बहिलोमः, सुपात्, हरिहरौ, शिवकेशवौ

7. Explain and illustrate any *two* of the following sutras :

2×4=8

निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

सह सुपा, अव्ययीभवश्च, नदीभिश्च, द्विगुश्च, पञ्चमी भयेन

8. Justify प्रकृति-प्रत्यय in any *five* compounds of the following :

5×2=10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में प्रकृति-प्रत्यय स्पष्ट कीजिए :

आश्वपतः, दाक्षिः, वैनतेयः, जनता, गोमयम्, शिक्षकः, दन्त्यम्, गोत्वम्, गोमान्

9. Among the following प्रकृति-प्रत्यय, combine any *three* of them to form the respective compounds :

3×2=6

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रकृति-प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए पद-निर्माण कीजिए :

अश्व + मयद्, गो + त्व, दण्ड + इनि, उपगु + अण्, कण्ठ + यत्, गर्ग + यञ्

18
[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 6828

I

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balance Living

Name of the Course : BA (H), Sanskrit, DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

1. बृहदारण्यकोपनिषद् में याज्ञकल्क्य द्वारा उल्लेखित "न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति" इस कथन को स्पष्ट कीजिए । (10)

Explain the statement "न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति" mentioned by Yajnakalkya in Brihadaranyaka Upanishad.

अथवा / OR

अद्वैतमत में ब्रह्मसाक्षात्कार के साधनों का सविस्तर विवेचन कीजिए ।

Discuss in detail the means of realization of Brahma in Advaita thought.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए । (5×2=10)

Explain any two of the following.

(क) तत्परं पुरुषख्यातेर्गुणवैतृष्यम् ।

(ख) तपःस्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि क्रियायोगः ।

(ग) मैत्रीकरुणामुदितोपेक्षाणां सुखदुःखपुण्यापुण्यविषयाणां भावनातश्चित्तप्रसादनम् ।

(घ) योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए । (5×3=15)

Write short notes any three of the following.

(क) वैराग्य

(ख) नियम

(ग) अपरिग्रह

(घ) अहिंसा

(ङ) धारणा

4. चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का सविस्तर वर्णन कीजिए । (10)

Describe in detail the measures for control the chittavritti.

अथवा / OR

‘योग’ शब्द को स्पष्ट करते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में योग के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए ।

Explain the word 'Yoga' and render its importance in the modern perspective.

5. निम्नलिखित पद्यों में से किन्हीं तीन की सानुवाद व्याख्या कीजिए:
(6×3=18)

Translate and explain any three of the following verses:

(क) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः ।

आगमापायिनोऽनित्यास्तास्तितिक्षस्व भारत ॥

(ख) यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति ।

तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति ॥

(ग) कार्यकरणकर्तृत्वे हेतुः प्रणतिरुच्यते ।

पुरुषः सुखदुःखानां भोदृत्वे हेतुरुच्यते ॥

(घ) पिताहमस्य जगतो माता धाता पितामहः ।

वेद्यं पवित्रमोँकार ऋक्साम यजुरेव च ॥

(ङ) अन्नाद्भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्नसंभवः ।

यज्ञाद्भवति पर्जन्यो यज्ञः कर्मसमुद्भवः ॥

6. सन्तुलित जीवन के लिये 'भगवद्गीता' में वर्णित कर्मयोग की महत्ता को सविस्तर रूप से समझाये । (12)

Explain in detail the importance of Karmayoga described in the Bhagavad Gita for a balanced life.

अथवा / OR

'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' इस पंक्ति के आधार पर गीता में ज्ञानयोग के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

On the basis of this line 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' explain the nature of 'Gyanyoga' in Gita.

101

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 6829

I

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre & Dramaturgy

Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit – DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any five questions.
3. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. नाट्यमण्डप के विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए। उनमें दर्शकों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त नाट्यमण्डप की विशेषताओं को अपने शब्दों में लिखिए।

Describe the various types of theatre. Write in your own words the characteristics of the theatre most suitable for the audience.

2. अभिनय को परिभाषित करते हुए अभिनय के प्रकारों का पर निबन्ध लिखिए ।

Define acting and write an essay on the types of acting.

3. रस-निष्पत्ति अथवा रस-स्वाद को विस्तार से लिखिए ।

Write in detail Rasa-Nishpatti or Rasa-swad.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणी कीजिए ।

Comment on any five of the following.

(क) रंगशीर्ष

(क) अर्थप्रकृति

(ख) प्रेक्षागृह

(ग) धीरप्रशांत

(घ) अनुभाव

(ङ) पताका

5. नायिका के विविध प्रकारों पर एक निबन्ध लिखिए एवं उसके प्रकारों का निरूपण कीजिए।

Write an essay on the various types of heroines and describe their types.

6. विभिन्न कालखण्डों में रंगमंच के विकास यात्रा का विवेचन कीजिए ।

Discuss the development journey of theatre in different periods.

P.T.O.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Explain any three of the following in detail:

कथावस्तु, रंगमंच, जनान्तिक, विदूषक, विष्कम्भक ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्मज्ञान के साधन श्रवण-मनन एवं निदिध्यासन के स्वरूप का सविस्तर वर्णन कीजिए । (10)

Describe the nature of Hearing (Srawana), Reflection (Manana) and Meditation (Nididhyasana) as method of self-presentation the basis of Brihadaranyakopanishad.

अथवा / OR

बृहदारण्यकोपनिषद् में याज्ञवल्क्य द्वारा उल्लेखित “न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवति” इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

Explain the statement “न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवति” mentioned by Yajnakalkya in Brihadaranyaka Upanishad.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए । (5×2=10)

Explain any two of the following.

(क) स्थिरसुखमासनम् ।

(ख) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(ग) शौचसंतोषतपःस्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि नियमाः ।

(घ) मैत्रीकरुणामुदितोपेक्षाणां सुखदुःखपुण्यापुण्यविषयाणां
भावनातश्चित्तप्रसादनम् ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए। (5×3=15)
Write short notes any three of the following.

(क) क्रियायोग

(ख) प्राणायाम

(ग) यम

(घ) समाधि

(ङ) अपरिग्रह

4. 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में योग के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए । (10)

Explain the word 'Yoga' and render its importance in modern perspective.

अथवा / OR

योगसूत्र में वर्णित क्रियायोग के स्वरूप का सविस्तर विवेचन कीजिए ।

Discuss in detail the nature of Kriyayoga as described in Yoga Sutra.

5. निम्नलिखित पद्यों में से किन्हीं तीन की सानुवाद व्याख्या कीजिए।

(6×3=18)

Translate and explain **any three** of the following verses:

(क) यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।

समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ॥

(ख) आत्मौपम्येन सर्वत्र समं पश्यति याऽर्जुन ।

सुखं वा यदि वा दुःखं स योगी परमो मतः ॥

(ग) प्रकृतिं पुरुषं चैव विद्धयनादी उभावपि ।

विकारांश्च गुणांश्चैव विद्धि प्रकृतिसंभवान् ॥

(घ) तपाम्यहमं वर्षं निगृह्णाम्युत्सृजामि च ।

अमृतं चैव मृत्युश्च सदसच्चाहमर्जुन ॥

(ङ) न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत् ।

कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः ॥

6. “नियतं कुरु कर्म” इस पंक्ति आधारित गीता में कर्म के महत्ता को

समझाए ।

(12)

Explain the importance of karma in the Gita based on this line “नियतं कुरु कर्म”

अथवा / OR

गीता के अनुसार सन्तुलित जीवन हेतु ‘ध्यानयोग’ की महत्ता का वर्णन कीजिए ।

Describe the importance of ‘Dhyana Yoga’ for a balanced life based on the Gita.

(500)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 6990

I

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre & Dramaturgy

Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any Five question.
3. Unless otherwise required in a question Answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. नाट्यमण्डप के 18 प्रकार कौन-कौन से हैं? श्रेष्ठ नाट्यमण्डप की विशेषताओं को विस्तार से समझाइए ।

What are the 18 types of Natya Mandap? Explain in detail the characteristics of the best Natya mandap ?

2. अभिनय को परिभाषित करते हुए आहार्य अभिनय को समझाइए ।

Define acting and explain Aharya acting.

3. कथावस्तु की परिभाषा देते हुए, कथावस्तु के प्रकारों का विस्तार से वर्णन करिए ।

Defining Kathavastu, describe the types of kathavastu in detail.

4. भाव, विभाव और अनुभाव पर विस्तार से निबन्ध लिखिए ।

Write a detailed essay on Bhava, Vaibhava, and Anubhav.

5. पञ्चसंधि एवं पञ्च कार्यावस्थाओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

Discuss the पञ्चसंधि and पञ्च कार्यावस्थाएँ with examples.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन को परिभाषित कीजिए।

Define any three of the following.

नाट्यद्वार, कंचुकी, रंगशीर्ष, रंगमंच, परकीया नायिका ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Write short notes on any three of the following

(क) अर्थप्रकृति

(ख) विदूषक

(ग) प्रेक्षागृह

P.T.O.

(घ) आंगिक अभिनय

(ङ) मत्तवारिणी

(22)
[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : 2090 I

Unique Paper Code : 2132101101

Name of the Paper : Applied Sanskrit,

Name of the Course : B.A.(Hon.) Sanskrit

Semester : I

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **Sanskrit, English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

- (c) **All questions are compulsory.**

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2090

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दरूपों से वाक्यों का निर्माण कीजिए :
5×2=10

Make sentences any **five** of the following forms :

कविः, शिशुम्, पितरम्, आत्मना, लतायै, नद्याः, मनसि

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में वचनपरिवर्तन कीजिए :
5×2=10

Change the numbers in any **five** of the following sentences :

- | | |
|---------------------|-------------------|
| (क) छात्रः पठति । | (ख) शिशुः अस्ति । |
| (ग) पिता लिखति । | (घ) कर्ता करोति । |
| (ङ) भवान् ददाति । | (च) लता शृणोति । |
| (छ) दुर्जनः तुदति । | |

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में पुरुष परिवर्तन कीजिए :
5×2=10

Change the person in any **five** of the following sentences :

- | | |
|----------------------|-------------------|
| (क) तौ पठतः । | (ख) युवां स्थः । |
| (ग) आवां स्वः । | (घ) तौ कर्तुः । |
| (ङ) युवां दत्तः । | (च) आवां शृणुमः । |
| (छ) दुर्जनौः तुदतः । | |

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में काल परिवर्तन कीजिए :
5×2=10

Change the tense in any **five** of the following sentences :

- | | |
|-----------------|-----------------------|
| (क) ते पठन्ति । | (ख) भवन्तः गच्छन्ति । |
| (ग) वयं पठामः । | (घ) त्वं वदसि । |
| (ङ) त्वं पचसि । | (च) अहं पिबामि । |
| (छ) यूयं चलथः । | |

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच रूपों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

5×2=10

Use any **five** of the following forms in the sentence :
पठितवान्, हसित्वा, लेखितुम्, प्रणम्य, गच्छन्, पठितव्यम्, खादितः

6. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों का विच्छेद कीजिए :

1×5=5

Disjoin Sandhi in any **five** of the following :

इत्यत्र, मध्वरिः, नायकः, भवनम्, महेशः, लोकेऽस्मिन्, अथैकः

7. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में संधि कीजिए :

1×5=5

Join Sandhi in any **five** of the following :

प्रति + एकः, लृ + आकृतिः, पो + अनः, पौ + अकः, न + इच्छति, पर +
उपकारः, तस्य + एव

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

5×2=10

Translate any **five** of the following sentences into
Sanskrit :

(क) राजा यहां आता है।

The king comes here.

(ख) मैं ईश्वर को नमस्कार करता हूँ।

I salute God.

(ग) तू फल की रक्षा करता है।

You protect the fruit.

(घ) हम लोग सत्य बोलते हैं।

We speak the truth.

(ङ) तुम जल पीते हो।

You drink water.

(च) तुम नगर को जाओ।

You go to the city.

(छ) वह गीता पढ़ेगा।

He will read Geeta.

(ज) राम बन्दरों के साथ खेला।

Ram played with monkeys.

9. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए :

5×2=10

Change the voice in any **five** of the following :

(क) रामः भोजनं खादति।

(ख) देवाः सूर्यं पश्यन्ति।

(ग) त्वं सूर्यं नमसि।

(घ) अहं ग्रामं गच्छामि।

(ङ) सः भोजनं पचति।

(च) कविः कवितां लिखति।

(छ) शिशुः दुग्धं पिबन्ति।

(ज) वयं पुस्तकं पठामः।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच समस्त-पदों का विग्रह कीजिए :

5×2=10

Split Samasa in any **five** of the following words :

उपकृष्णम्, विद्याविहीनः, चोरभयम्, ईश्वरभक्तः, दशाननः, भीमार्जुनौ,
चन्द्रशेखरः

(W) 5/20/11/8

(3)
[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 2114

I

Unique Paper Code : 2132101102

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : B.A. (Hons.) SANSKRIT

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए। अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का अनुवाद कीजिए:

(2×6=12)

Translate any two of the following verses:

(i) शिरः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं

महीधादुत्तुङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम्।

अधाऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तकोमथवा

विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।

(ii) प्रसह्य मणिमुद्धरेन्मकरवक्त्रदंष्ट्रान्तरा -

त्समुद्रमपि सन्तरेत्प्रचलदूर्मिमालाकुलम्।

भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद्धारये -

न्न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ॥

(iv) कदाचिदासन्नसखीमुखेन सा मनोरथज्ञं पितरं मनस्विनी।

अयाचतारण्यनिवासमात्मनः फलोदयान्ताय तपः समाधये ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(2×9=18)

Explain with reference to the context of any two of the following:

(i) पुनर्ग्रहीतुं नियमस्थया तया द्वयेऽपि निक्षेप इवार्पितं द्वयम् ।

लतासु तन्वीषु विलासचेष्टितं विलोलकृष्टं हिरणाङ्गनासु च ॥

(ii) दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये ।

स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे ॥

(iii) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह ।

न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि ॥

(iv) स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न यः संशृणुते स
किंप्रभुः । सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए:

Explain any one of the following in Sanskrit:

(1×9=9)

(i) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।

(ii) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।

(iii) न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रहफल्गुताम्।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×12=36)

Answer the following questions :

(i) 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्' 'नीतिशतकम्' में वर्णित इस कथन के आलोक में 'मूर्खपद्धति' पर प्रकाश डालिए।

Discuss 'मूर्खपद्धति' पद the light of the statement. 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्' depicted in 'Nitishatakam'.

अथवा / OR

'नीतिशतकम्' में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान परिणश्य में सर्वाधिक प्रासंगिक हैं वर्णन कीजिए।

Discuss that the moral education, depicted in 'Nitishatakam' is much relevant in present scenario.

- (ii) वनेचर- उक्ति के आधार पर दुर्योधन की शासन व्यवस्था का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

Describe the governance (Shasana-Vyavastha) of Duryodhana in own words on the basis of the statement of Vanechara.

अथवा / OR

‘भारवेरर्थगौरवम्’ - कथन की समीक्षा कीजिए।

Examine the statement - ‘भारवेरर्थगौरवम्’.

- (iii) ‘कुमारसम्भवम्’ के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती का चरित्र चित्रण कीजिए।

Describe the character of Parvati according to the fifth canto of 'Kumarasambhavam'.

अथवा / OR

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

महाकवि कालिदास की काव्य शैली पर प्रकाश डालिए ।

Discuss the poetic style of Mahakavi Kalidasa.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्भव और विकास की विवेचना कीजिए ।

(15)

Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए:

Write detail notes on any two of the following:

- (i) जयदेव

Jayadeva

(ii) अमरुक

Amruka

(iii) भर्तृहरि

Bhartrihari

(iv) विल्हण

Bilhana

A
Your Roll No.....

Sl. No. : 7982
UNIQUE PAPER CODE: 2022203502
Course: B.A. (Prog.) Buddhist Studies
SEMESTER - V

Paper Name: Buddhist Heritage

Time: 3 hours

Maximum Marks: 90

(Write your Roll No. on the top immediately on the receipt of this question paper)

(यह प्रश्न-पत्र प्राप्त होते ही सबसे ऊपर अपना रोल नंबर लिखें)

Note: Write answer either in English or in Hindi but the same medium should be followed throughout the paper.

उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में लिखें, किन्तु उत्तर पुस्तिका में आद्योपान्त किसी एक माध्यम का ही प्रयोग होना चाहिए।

Answer four questions in total. Question No. 1 is compulsory.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any two:
किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणी लिखें:

(15 x 2 = 30)

- a. Sarnath (सारनाथ)
- b. Pataliputra (पाटलिपुत्र)
- c. Kanheri (कन्हेरी)
- d. Rajgir (राजगीर)

2. Discuss the architectural and artistic significance of the Buddhist cave temples at Ajanta and Karle. What role did these structures play in the spread of Buddhism?

अजंता और कार्ले के बौद्ध गुफा मंदिरों की स्थापत्य और कलात्मक महत्व पर चर्चा कीजिए। बौद्ध धर्म के प्रसार में इन संरचनाओं की क्या भूमिका रही?

(20)

3. Explain the unique characteristics of the Gandhāra and Mathurā schools of Buddhist art. How do these schools reflect the cultural and historical evolution of Buddhist traditions?

गंधार और मथुरा के बौद्ध कला विद्यालयों की विशेषताओं की व्याख्या करें। ये विद्यालय बौद्ध परंपराओं के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विकास को किस प्रकार दर्शाते हैं?

(20)

4. Discuss the importance of Vesali in the history of Buddhism.

बौद्ध धर्म के इतिहास में वेसाली के महत्व पर चर्चा कीजिए।

(20)

5. Describe the historical and spiritual importance of Bodh Gaya and Kushinagar. How do these sites continue to attract Buddhist pilgrims from around the world?

बोधगया और कुशीनगर के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व का वर्णन कीजिए। ये स्थान विश्वभर के बौद्ध तीर्थयात्रियों को कैसे आकर्षित करते हैं?

(20)

6. Analyze the importance of Stupas and Chaityas in Buddhist architecture. How do these structures symbolize Buddhist philosophy and spiritual ideals?

बौद्ध स्थापत्य में स्तूपों और चैत्य की महत्व का विश्लेषण कीजिए। ये संरचनाएँ बौद्ध दर्शन और आध्यात्मिक आदर्शों का प्रतीक कैसे बनती हैं?

(20)

7. Discuss the role of Nālandā University and its royal patrons in disseminating Buddhism in Asia.

एशिया में बौद्ध धर्म के प्रसार में नालंदा विश्वविद्यालय और उसके शाही संरक्षकों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

(20)